'ओ३म्'

हरयाणा राज्य गोशाला संघ (रजि. 13/1966-67)

की मासिक - पत्रिका

गोहितकारी

मूल्य : 20 रूपये

• विक्रमी सम्वत् चैत्र-बैसाख 2074 • सृष्टि सम्वत् 1,96,08,53,118 • युगाब्द - 5118 • मई - 2017 • वर्ष - 1, अंक - 4 • कुल पृष्ठ संख्या - 24

सम्पर्क नं. : 9215373700 ई-मेल : gohitkari@gmail.com | Visit us : www.gaushalasanghngo.org

गोहितकारी सरंक्षक सदस्य

हरयाणा राज्य गौशाला संघ द्वारा पूज्य आचार्य बलदेव जी के सानिध्य में शुरू की गई पत्रिका गोहितकारी आप सभी के सहयोग और मार्गदर्शन से सफलतापूर्वक 11वें वर्ष में प्रवेश कर गई है। इसलिए निर्णय लिया गया है कि जो भी सम्मानित सदस्य11000 या इससे ज्यादा का सहयोग गोहितकारी पत्रिका के लिए करेगा, उस को संरक्षक सदस्य बनाया जाएगा तथा कम से कम 1 वर्ष तक उनका फोटो पत्रिका के प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित किया जाएगा। इसकी शुरूआत सुमेर चन्द चौधरी जी कैथल से की गई है।

यमुनानगर : नववर्ष विक्रमी संवत 2074 पर जिला यमुनानगर मे ज़िला उपायुक्त, पुलिस कप्तान, उप कप्तान, महिला उप कप्तान, मेयर, डीडीपीओ, तहसीलदार, एसडीएम, एमएलन कॉलेज प्रिंसिपल, कलांनोर सरपंच,व ज़िला के भिन्न भिन्न पुलिस अधिकारियो, व सामाजिक लोगों को मिलकर शुभकामनाये दी। इस मौके पर रोहित चौधरी, संजय मित्तल, हरीश, विक्रम राणा, टीनू, आदि साथ थे /–रोहित चौधरी अध्यक्ष गऊ संवर्धन न्यास यमुनानगर 9728787887

कैथल : हरयाणा राज्य गौशाला संघ द्वारा गौशालाओं को अनुदान देने, गोचर भूमी गोशालाओं के नाम करने तथा गौशालाओं की समस्याओं को लेकर जिला कैथल में प्रदर्शन करते हुए। गौशाला संघ के प्रदेशाध्यक्ष शमशेर आर्य, उपाध्यक्ष महन्त मूर्तिपूरी महाराज, गोशाला संघ जिला कैथल के प्रधान स्वामी इन्द्र गिरी महाराज, महन्त त्रिवेणीदास, कठवाड़, गौशाला संघ के जिला सचिव मास्टर रामदास, गौरक्षा दल के प्रधान मेवा राम, संरक्षक सुमेर चन्द चौधरी, सत्य प्रकाश शास्त्री हिसार, पाडला गो शाला के प्रधान लज्जाराम शर्मा, राजेश बेनीवाल, गौशाला अनाज मंडी के रामफल सिंह, सीवन गौशाला के चंद्रभान सैनी, राजकुमार शर्मा, बाता गोशाला के वैशाखी राम, राजकुमार आदि गोभक्त।

मुसीबत में अगर मदद मांगो तो सोच कर मागना क्योकि मुसीबत थोड़ी देर की होती है और एहसान जिंदगी भर का.....

विषय सूची

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	गौसेवा आयोग ने कराई	4
2.	गांव व्याना खेडा में गोसवर्धन...	5
3.	गौ सेवा आयोग बना लूट.....	6
4.	देशी गाय के दूध की दही वाले.....	7
5.	महर्षि दयानन्द सरस्वती एक ऐसे	8
6.	गांव वूहड माजरा में धर्मरक्षा महा सम्मेलन	9
7.	श्री कृष्ण गोपाल गोशाला.....	10
8.	हम अपने बच्चों को क्या	11
9.	कत्लखाने बन्दी क्यों?	12
10.	जिला गोशाला संघ के प्रधान चुने	15
11.	गोशाला धांगड में आयोजित गोकथा.....	16
12.	मांस तो मांस ही होता है	17
13.	मूत्र से औषधियां	18
14.	नव सम्वत पर आर्य जन सम्मानित	19
15.	850 लोगों ने धारण किया यज्ञोपवीत	20
16.	अब गोबर-गैस से चलेगी बस	21
17.	मुख्यमंत्री हरियाणा के नाम पत्र	22
18.	समाचार पत्र	23

गोहितकारी की सदस्यता ग्रहण करने व गोसेवा में सहयोग हेतु बचत खाता संख्या-

हरयाणा गौशाला संघ

1451000102147408

RTGS/NEFT/IFS-CODE :

PUNB0145100

पंजाब नैशनल बैंक, हिसार

पत्रकार बनें

गोहितकारी पत्रिका के लिए समाचार व लेख आदि के लिए पत्रकारों की आवश्यकता है। पत्रकार बनने के इच्छुक युवक तुरन्त सम्पर्क करें।

शमशेर आर्य

सम्पादक 09215373700

विज्ञापन सहयोग

कवर पृष्ठ	अन्य पृष्ठ (रंगीन)	(B/W)
21000/-	11000/-	7100/-

सदस्यता सहयोग

2100/-

सम्पादकीय कार्य पूर्णरूपेण अवैतनिक है
पत्र में छपे विचारों से सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हिसार होगा।

प्रतिक्रिया एवं रचनाएं भेजने का पता
सम्पादक गोहितकारी
आर्य समाज मंदिर, माडल टाउन,
डाबड़ा रोड, हिसार (हरियाणा)
Email : gohitkari@gmail.com | Mob.: 09215373700

गौसेवा आयोग ने कराई बदनामी

- शमशेर आर्य

जब हरियाणा में भाजपा की सरकार बनी तो सब लोगों को यह उम्मीद बंधी थी कि अब प्रदेश में गौमाता के अच्छे दिन आएंगे तथा गाय सड़कों पर कचरा खाने को मजबूर नहीं होगी भाजपा सरकार द्वारा अनेक घोषणाएं की गई तथा इस पर काम करने के लिए हरियाणा गौ सेवा आयोग का पुनर्गठन भी किया गया लेकिन बड़े दुर्भाग्य की बात है कि सरकार बनने के बाद आज तक गाय के संबंध में कोई भी कार्य सिरे नहीं चढ़ पाया। सरकार द्वारा गौ सेवा आयोग का 50 करोड रुपए की ग्रांट जारी करने की बार-बार घोषणा की गई लेकिन गौ सेवा आयोग वर्ष 2016 17 में प्राप्त अपनी अनुदान राशि का ही उपयोग नहीं कर पाया। जब हरियाणा राज्य गौशाला संघ द्वारा तथा गो भक्तों द्वारा गौ सेवा आयोग के विरोध में धरना प्रदर्शन शुरू किए गए तो 31 मार्च को वर्ष के अंतिम दिन लगभग 3 करोड रुपए की अनुदान राशि गौ सेवा आयोग द्वारा विभिन्न गोशालाओं के नाम ड्राफ्ट बनवाए गए और प्राप्त जानकारी के अनुसार यह ड्राफ्ट 12 अप्रैल के बाद मात्र 277 गौशालाओं को वितरित किए गए।

जबकि हरियाणा में इस समय लगभग 570 गौशालाएं नंदी चलाएं नंदीशाला काम कर रही है बड़ी अजीब बात है की बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार द्वारा गठित गो सेवा आयोग 2 वर्ष में प्रदेश भर की गौशालाओं का ही पंजीकरण नहीं कर पाया तथा जिन गोशालाओं का पंजीकरण हुआ उनके भी पूरे गोवंश की टेगिंग नहीं करवा पाया। जिसके कारण प्रदेशभर की गौशालाओं में रह रहे गो वंश में से मात्र एक चौथाई गोवंश को ही सहायता प्राप्त हो पाई।

गो सेवा आयोग का दावा है कि उन्होंने 150 प्रति गोवंश के हिसाब से वर्ष में एक बार गौशालाओं को अनुदान दिया है अब यदि विचार किया जाए तो यह 40 पैसे प्रतिदिन प्रति गोवंश हुआ और 40 पैसे में सौ ग्राम तूड़ी भी नहीं मिलती। इस हिसाब से प्रदेश के गौ सेवा आयोग ने प्रतिदिन के हिसाब से सौ सौ ग्राम तूड़ी दी है। इससे भद्दा मजाक और कोई हो नहीं सकता और यदि इसकी वास्तविक कैलकुलेशन की जाए तो पता चलेगा की पूरे हरियाणा की गौशालाओं के एक-चौथाई गोवंश को ही सहायता मिल पाई है अर्थात यह प्रति गोवंश 12 से 15 पैसे प्रतिदिन मिल पाए हैं जिसके कारण सरकार की बहुत बदनामी हो रही है तथा प्रदेश की सड़कों पर घूम रहे गोवंश के कारण किसानों तथा आम नागरिकों को भी भारी भारी परेशानियां झेलनी पड़ रही है यही कारण है कि अब गौशाला संचालक भी तंग आ चुके हैं तथा सरकार के इस रवैए के कारण थके हुए से महसूस कर रहे हैं।

वास्तव में देखा जाए तो गो सेवा आयोग का गठन करते समय ही यह सब स्थिति साफ नजर आ रही थी, जब सरकार द्वारा गौशालाओं हो के साथ धोखाधड़ी व फर्जीवाड़ा करने वाले तथा फर्जी संस्थाएं बनाने वाले आचार्य योगेंद्र जैसे लोगों को आयोग में सदस्य बना दिया गया। लेकिन गोभक्त इसलिए चुप रहे कि शायद सरकार अपने कंट्रोल में लेकर के कुछ गौ सेवा का कार्य करें अब सारी स्थिति साफ हो चुकी है गायों की डेयरी के लिए 25 प्रतिशत और 50 प्रतिशत अनुदान देने की घोषणा की गई थी, आज तक किसी भी व्यक्ति को यह अनुदान नहीं मिल पाया। देसी गोवंश की दुग्ध प्रतियोगिता और हरियाणा नस्ल और साहिवाल नस्ल की गायों को दूध की मात्रा के अनुसार पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई थी, उसका भी आज कुछ पता नहीं चल रहा तथा एक भी गौशाला की गाय को इस योजना में शामिल नहीं किया गया।

अब गो भक्तों का धैर्य जवाब दे रहा है इसलिए गौ सेवी संस्थाएं सड़कों पर आ रही है पिछली सरकारों ने भी गाय के नाम पर इसी प्रकार कई बार छलावा किया वर्तमान सरकार भी उसी राह पर चल रही है जिसका खामियाजा उसे आने वाले दिनों में भुगतना पड़ेगा प्रदेश में गौ सेवा का कार्य करने वाले लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है तथा गाय के नाम पर धंधा करने वाले फर्जी गौरक्षक सरकार की गोद में बैठकर मौज उड़ा रहे हैं। जिससे लोगों में भारी आक्रोश है। यह गुस्सा जब फुटेगा तो सरकार को कुछ समझ नहीं आएगा। इसलिए माननीय मुख्यमंत्री और प्रदेश सरकार जल्दी से जल्दी गो सेवा आयोग का पुनर्गठन करें और फर्जी नकली तथा नेताओं के चहेते लोगों को बाहर करके गौ सेवा में लगे तो सही लोगों को नियमानुसार इसमें शामिल करें ताकि गाय का भी भला हो सके और सरकार की बदनामी होने से बच जाए।

गाय रोगी को निरोगी, निरोगी को बलवान, बलवान को बुद्धिमान और बुद्धिमान को देवता बना देती है।

गांव ब्याना खेडा में गोसवर्धन केन्द्र का शिलान्यास

गाय न आवारा है न नकारा, बल्कि यह तो बेरोजगारों का सहारा है - शमशेर आर्य

हिसार : गाय न तो आवारा है न नाकारा है बल्कि यह तो बेरोजगारों का सहारा है। लेकिन एक साजिश के तहत गाय को नकारा बना दिया गया है। यह बात हरयाणा राज्य गौशाला संघ के प्रदेश अध्यक्ष शमशेर आर्य ने गांव बयानाखेड़ा में गौ संवर्धन केंद्र का शिलान्यास करने के उपरांत कहीं। श्री आर्य ने संबोधित करते हुए बताया कि गाय के केवल गोबर और गोमूत्र से न सिर्फ अनेक बीमारियों का इलाज होता है बल्कि दैनिक जीवन की अनेक औषधियां व जीवन उपयोगी वस्तुओं का निर्माण होता है। जिससे लोगों को रोजगार मिल सकता है तथा गोबर और गोमूत्र से बने उत्पादों को प्रयोग करने वाले को इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। लेकिन एक साजिश के तहत तथा अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए गाय को सिर्फ माता कह कर उसकी उपयोगिता भुला दी है। जिसके कारण लोग गाय की उपयोगिता से अंजान बने हुए हैं तथा गाय सड़कों पर और कूड़े के ढेर पर घूम रही है। गौ संवर्धन केंद्र का शिलान्यास करते हुए शमशेर आर्य ने बताया कि यहां पर गोमूत्र से कीटनियंत्रक, बीज शोधक तथा गोबर से केचुआ खाद, कंपोस्ट खाद व अनेक तरह की जीवन उपयोगी चीजों का निर्माण किया जाएगा। गौ संवर्धन केंद्र के संचालक महात्मा राजेश पुरी ने सभी ग्रामीणों, अतिथियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि गाय को श्रद्धा के साथ साथ उपयोगिता की भी पहचान करवाएं। गांव के सरपंच प्रतिनिधि मनोज कुमार ने ग्राम पंचायत की ओर से हर प्रकार का सहयोग देने का आश्वासन दिया तथा सभी अतिथियों का स्वागत किया। संस्था के प्रवक्ता सूरेंद्र पुनिया साधुराम पूनिया, सत्यप्रकाश शास्त्री, राजेश कुमार, लोकहित संस्था के रविंद्र पानू, जयवीर सिंह, अनिलकुमार, धर्मवीर सिंह, जयप्रकाश धर्मपाल आदि उपस्थित थे।

हवन के उपरांत किया शिलान्यास।

सुरेंद्र पुनिया ने बताया कि गांव बयाना खेड़ा के जोहड पर स्थिति मंदिर में वैदिक मंत्रों से यज्ञ हवन किया गया। उसके बाद गौ संवर्धन केंद्र के लिए शमशेर आर्य, महात्मा राजेश पुरी, साधु राम पूनिया आदि सहित उपस्थित सभी लोगों ने अपने हाथ से एक-एक इंट रखकर शिलान्यास किया। ग्राम पंचायत ने इस गोसंवर्धन केंद्र के लिए लगभग 10 एकड़ जमीन देने का आश्वासन दिया।

नियम के बिना और अभिमान के साथ किया गया तप व्यर्थ ही होता है।

आंदोलन की राह पर गोभक्त

गौ सेवा आयोग बना लूट का केन्द्र : गौशाला संघ

गौशालाओं की ग्रांट बंद करने से गायों की स्थिति दयनीय

जींद : हरयाणा राज्य गौशाला संघ की ओर से जिला उपायुक्त जींद को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मांग की गई है कि गाय के नाम पर प्रदेश में लूट मची हुई है तथा गौ सेवा आयोग गाय के संरक्षण व संवर्धन में कोई कार्य नहीं कर पा रहा है। इसलिए गो सेवा आयोग का पुनर्गठन किया जाए और एक्ट के अनुसार तथा गाय में आस्था रखने वाले लोगों को गो सेवा आयोग का सदस्य बनाया जाए। गौशालाओं से चंदा इकट्ठा करके गबन करने वाले और हरयाणा राज्य गौशाला संघ के नाम पर धोखाधड़ी व फर्जीवाड़ा करने वाले योगेंद्र आर्य जैसे लोगों को तुरंत हटाया जाए यह बात हरयाणा राज्य गौशाला संघ के प्रदेश अध्यक्ष शमशेर आर्य ने कहीं। श्री आर्य ने आरोप लगाया गया गत दो-तीन वर्षों में गौशालाओं की ग्रांट बंद हो चुकी है तथा सरकार की ओर से घोषित की गई कोई भी योजना लागू नहीं हो पा रही है जिससे गौशालाओं की स्थिति दयनीय बनी हुई है तथा लोगों में गाय के प्रति आस्था खत्म होती जा रही है। प्रदर्शन करने वालों को संबोधित करते हुए भारतीय संस्कृति रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी ब्रहमानंद वैदिक, गौशाला संघ के उपाध्यक्ष महंत मूर्ति पुरी महाराज, गुरुकुल कालवा के संचालक आचार्य राजेंद्र जी महाराज, गौशाला संघ की सचिव सविता आर्या, राजकुमार अग्रवाल, गौशाला संघ जिला कैथल के ताराचंद कुंडू, गौशाला संघ जींद के प्रधान विष्णु दत्त शास्त्री, गो संवर्धन न्यास यमुनानगर, पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान जींद, गोपुत्र सेना जींद, गौ सेवा रक्षा दल आदि के पदाधिकारियों ने भी संबोधित करते हुए गौ तस्करी रोकने तथा गौ संवर्धन करने गौशालाओं की ग्रांट के नाम पर कमीशनखोरी बंद करने की मांग उठाई। गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने प्रत्येक जिला स्तर पर नस्ल सुधार केंद्र स्थापित करने तथा सड़कों पर घूम रहे बेसहारा गोवंश के लिए गांव स्तर पर छोटे-छोटे अभयारण्य स्थापित करने की मांग उठाई गई। इस अवसर पर गौशाला धडौली के प्रधान सुधार सिंह देशवाल, जय नारायण आर्य, सत्य प्रकाश, सूरज भान आर्य, देवी प्रसन्न आर्य महेंद्र, शास्त्री, रामजुवारी नगूरा, रोहित चौधरी यमुनानगर, करण सिंह अमरेली, प्रमोद कुमार जींद, नरेंद्र सिंह कालवा आदि सहित प्रदेशभर से गोभक्त उपस्थित थे।

नियम के बिना और अभिमान के साथ किया गया तप व्यर्थ ही होता है।

देशी गाय के दूध की दही वाले मिश्रण से होते हैं अधिक फायदे

मुजफ्फरपुर : रासायनिक उर्वरक व कीटनाशक से होनेवाले नुकसान के प्रति किसान सजग हो रहे हैं। जैविक तकनीक की बदौलत उत्तर बिहार के करीब 90 [illegible] किसानों ने यूरिया से तोबा कर ली है। इसके बदले दही का प्रयोग कर किसानों ने अनाज, फल, सब्जी के उत्पादन में 25 से 30 फीसदी बढ़ोतरी भी की है। 25 किलो यूरिया का मुकाबला दो किलो दही ही कर रहा है। यूरिया की तुलना में दही मिश्रण का छिड़काव ज्यादा फायदेमंद साबित हो रहा है। किसानों की माने, तो यूरिया से फसल में करीब 25 दिन तक व दही के प्रयोग से फसलों में 40 दिनों तक हरियाली रहती है।

सकरा के मछही की किरण कुमारी, चांदनी देवी, नूतन देवी, पवन देवी, धर्मशीला देवी बताती हैं कि इस प्रयोग से सब्जी, फल व अनाज की मात्रा व गुणवत्ता में सुधार हुआ है। केशोपुर के अरविंद प्रसाद, ओम प्रकाश, राजा राम सिंह, रमेश सिंह, रघुनाथ राम, वीरचंद्र पासवान आदि बताते हैं कि आम, लीची, गेहूं, धान व गन्ना में प्रयोग सफल हुआ है। फसल को पर्याप्त मात्रा में लंबे समय तक नाइट्रोजन व फॉस्फोरस की आपूर्ति होती रहती है। केरमा के किसान संतोष कुमार बताते हैं कि वे करीब दो वर्षों से इसका प्रयोग कर रहे हैं। काफी फायदेमंद साबित हुआ है।

लीची व आम का होता है अधिक उत्पादन

इस मिश्रण का प्रयोग आम व लीची में मंजर आने से करीब 15-20 दिनों पूर्व इसका प्रयोग करें। एक लीटर पानी में 30 मिलीलीटर दही के मिश्रण डाल कर घोल तैयार बना लें। इससे पौधों की पत्तियों को भीगों दें। 15 दिन बाद दोबारा यही प्रयोग करना है। इससे लीची व आम के पेड़ों को फॉस्फोरस व नाइट्रोजन की सही मात्रा मिलती है। मंजर को तेजी से बाहर निकलने में मदद मिलती है। सभी फल समान आकार के होते हैं। फलों का झड़ना भी इस प्रयोग से कम हो जाता है।

ऐसे तैयार होता दही का मिश्रण

देशी गाय के दो लीटर दूध का मिट्टी के बरतन में दही तैयार करें। तैयार दही में पीतल या तांबे का चम्मच, कलछी या कटोरा डुबो कर रख दें। इसे ढंक कर आठ से 10 दिनों तक छोड़ देना है। इसमें हरे रंग की तूतिया निकलेगी। फिर बरतन को बाहर निकाल अच्छी तरह धो लें। बरतन धोने के दौरान निकले पानी को दही में मिला मिश्रण तैयार कर लें। दो किलो दही में तीन लीटर पानी मिला कर पांच लीटर मिश्रण बनेगा। इस दौरान इसमें से मक्खन के रूप में कीट नियंत्रक पदार्थ निकलेगा। इसे बाहर निकाल कर इसमें वर्मी कंपोस्ट मिला कर पेड़-पौधों की जड़ों में डाल दें। ध्यान रहे इसके संपर्क में कोई बच्चा न जाये। इसके प्रयोग से पेड़-पौधों से तना बेधक (गराड़)और दीमक समाप्त हो जायेंगे। पौधा निरोग बनेगा। जरूरत के अनुसार से दही के पांच किलो मिश्रण में पानी मिला कर एक एकड़ फसल में छिड़काव होगा। इसके प्रयोग से फसलों में हरियाली के साथ-साथ लाही नियंत्रण होता है। फसलों को भरपूर मात्रा में नाइट्रोजन व फॉस्फोरस मिलता होता है। इससे पौधे अंतिम समय तक स्वस्थ रहते हैं।

आइसीएआर में भी प्रयोग सफल

इसका प्रयोग मुजफ्फरपुर के सकरा, मुरौल, कुढ़नी, मीनापुर, पारू, सरैया व बंदरा में काफी तेजी से बढ़ रहा है। वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय व दरभंगा के दक्षिणी इलाके में काफी संख्या में किसानों ने इसे अपनाया है। यहां के किसानों ने दिल्ली के बुरारी रोड, नत्थूपूरम, इब्राहीमपुर, उत्तमनगर, नागलोई, गुड़गांव, नजफगढ़, रोहिनी समेत कृषि फार्म में इसके प्रयोग से उत्पादन में सुधार हुआ है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नयी दिल्ली में भी इसके सफल प्रयोग से जैविक अनाज, फल व सब्जी का उत्पादन हुआ है। यहां के दिनेश कुमार को दिल्ली स्थित आइसीएआर में दो केंद्रीय मंत्रियों ने इसके लिए सम्मानित किया।

बोले किसान

सकरा के इनोवेटिव किसान सम्मान विजेता दिनेश कुमार ने बताया, मक्का, गन्ना, केला, सब्जी, आम-लीची सहित सभी फसलों में यह प्रयोग सफल हुआ है। आत्मा हितकारिणी समूह के 90 हजार किसान यह प्रयोग कर रहे हैं। इसके बाद मुजफ्फरपुर, वैशाली के साथ-साथ दिल्ली की धरती पर इसे उतारा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने मार्च 2017 में इनोवेटिव किसान सम्मान से सम्मानित किया।

मुजफ्फरपुर के किसान भूषण सम्मान प्राप्त सतीश कुमार द्विवेदी कहते हैं, जिन खेतों में कार्बनिक तत्व मौजूद होते हैं, उनमें इस प्रयोग से फसलों का उत्पाद 30 फीसदी अधिक होता है। इस मिश्रण में मेथी का पेस्ट या नीम का तेल मिला कर छिड़काव करने से फसलों पर फंगस नहीं लगता है। इसके प्रयोग से नाइट्रोजन की आपूर्ति, शत्रु कीट से फसलों की सुरक्षा व मित्र कीटों की रक्षा एक साथ होती है।

हमेशा छोटी छोटी गलतियों से बचने की कोशिश किया करो , क्योंकि इन्सान पहाड़ो से नहीं पत्थरों से ठोकर खाता है ..

महर्षि दयानन्द सरस्वती एक ऐसे

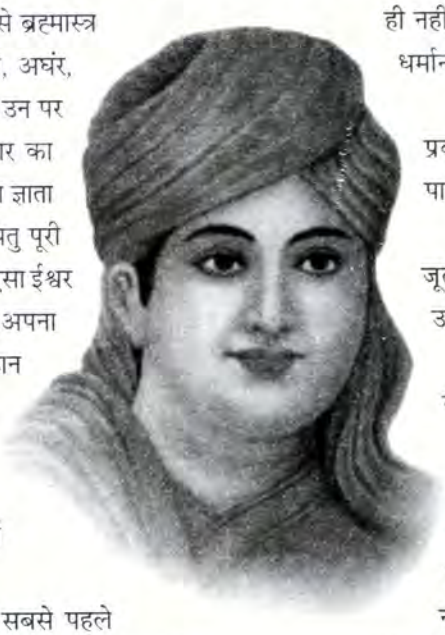

महर्षि दयानन्द सरस्वती एक ऐसे ब्रह्मास्त्र थे जिन्हे कोई भी पंडित, पादरी, मोलवी, अघंर, ओझा, तान्त्रिक हरा नहीं पाया और न ही उन पर अपना कोई मंत्र तंत्र या किसी भी प्रकार का कोई प्रभाव छोड़ पाया। एक ऐसा वेद का ज्ञाता जिसने सम्पूर्ण भारत वर्ष में ही नहीं अपितु पूरी दुनियां में वेद का डंका बजाया था। एक ऐसा ईश्वर भक्त, जिसने ईश्वर को प्राप्त करने के लिए अपना घर त्याग ही कर दिया, एक ऐसा महान व्यक्ति जिसने लाखों की संपत्ति को ठोकर मार दी पर सत्य के राह से विचलित नही हुआ। एक ऐसा दानी जिसने अपने गुरु दक्षिणा मे अपना सम्पूर्ण जीवन ही दान दे दिया...

एक ऐसा क्रान्तिकारी जिसने सबसे पहले आजादी का बिगुल फूकँ न जाने कितने लोगो के अन्दर क्रान्ति की भावना को पोषित किया...

एक ऐसा स्वदेश भक्त जिसने सबसे पहले स्वदेशीय राज्य को सर्वोपरी कहाँ और अंग्रेजो के सामने ही उनका राज्य समस्त विश्वसे नष्ट होने की बात कही...

एक ऐसा गौरक्षक व गौ प्रेमी जिसने सबसे पहले गौ रक्षा हेतू गौरक्षणी सभा बनाई व इसके नियमो का प्रतिपादन किया....

एक ऐसा निडर व्यक्ति जिसने निर्भीक होकर समाज की कुप्रथाओ, कुरितीयो पर प्रहार किया। एक ऐसा व्यक्ति जिसने कभी भी सत्य से समझौता नही किया।

एक ऐसा धर्म धुरंधर जो केवल वेद का ही नही अपितु कुरान, पुराण, बाईबिल, त्रिपिटिक, व अन्य मजहबी व मंत मतान्नतरो वालो के ग्रन्थो का ज्ञान था एक ऐसा सत्य का पुजारी का जो अपनी हर बात डंके की चोट पर कहता था।

एक ऐसा धर्म धुरन्धर जिसने सभी पाखंडो का खंडन कर सत्य का राह दिखाया। एक ऐसा धर्म धुरंधर जिसने इस देश का धर्मान्तरण (ईसाईयत व ईस्लामीकरण) होने के केवल रोका ही नही वरन् शुद्धि व घर वापसी द्वारा देश का धर्मान्तरण होने से रोका।

एक ऐसा सत्यनिष्ठ जिसे किसी प्रकार के लोभ व लालच विचलित नही कर पाये।

एक ऐसा सन्यासी जो पत्थरो, जूतो की मार से विचलित न हुआ वरन उसके संकल्प और भी मजबूत हुए।

एक ऐसा ऋषि जिसने पुन: यज्ञ, योग व पुरानत ऋषि महर्षियो के ज्ञान को पुन: स्थापित कराया एक ऐसा ज्ञानी जिसने ऋषि कृत (पाणिनि, जैमनि, ब्रह्मा, चरक, सुश्रुत) ग्रन्थों का उद्धार किया। एक ऐसा ऋषि जिसने ऋषियो के नाम से बनाये सभी ग्रन्थों का भांडा फोड़ा व हमारे ऋषियो के नाम पर लगे दाग को मिटाया।

एक ऐसा समाज सुधारक जिसने सबसे पहले सती प्रथा, बाल विवाह, जैसे कुप्रथाओ पर प्रहार कर समस्त भारत मे नारी की प्रतिष्ठा को समाज मे पुन: स्थापित कराया।

एक ऐसा समाज सुधारक जिस ने माँसाहार व शाकाँहार मे भेद स्पष्ट कर समाज को पुन: शाकाहार के रास्ते पर चलाया।

एक ऐसा साहसी व्यक्ति जिसके साहस अपमान, तिरस्कार से कम नही हुए बल्कि और भी दृढ़ हुए। एक ऐसा समाज सुधारक जो केवल भारत के लिए ही नही अपितु विश्व के कल्याण की भावना से निस्वार्थ काम किया।

धन्य है तुझे ऋषि तेरे उपकार न जाने कितने हैं, लाखों पत्थर खा कर के भी, लोगों द्वारा दिए गए कई बार ज़हर के बावजूद भी तू एक बार भी अपने पथ से नहीं डगमगाया !!! हे आर्यो मेरी लेखनी मे इतने शब्द नही जो मै महर्षि जी के उपकारो को लिख सकूं, गागर मे सागर नही भरा जा सकता .....

हे ऋषिवर आपको शत-शत नमन

रणदीप आर्य
सिवाह

कल एक इन्सान रोटी मांगकर ले गया और करोड़ों कि दुआयें दे गया, पता ही नहीं चला की, गरीब वो था की मैं....

गांव चूहड माजरा में धर्मरक्षा महा सम्मेलन

कैथल : गांव चूहड माजरा में भारतीय संस्कृति रक्षा दल की ओर से धर्म रक्षा सम्मेलन का आयोजन किया गया। गांव के राजकीय उच्च विद्यालय में आयोजित सम्मेलन के अवसर पर वृहद् यज्ञ का आयोजन हुआ। गांव के सरपंच सहित सैंकड़ों युवाओं और महिलाओं ने आहुति डाल कर अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा करने का संकल्प लिया।

भारतीय संस्कृति रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी ब्रम्हानंद वैदिक जी ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए बताया कि आज हम अपने धर्म, अपनी संस्कृति और अपने सांस्कृतिक मूल्यों को भूल चुके हैं। जिसके कारण आज हममें एकरूपता नहीं है तथा न ही अपने धर्म की सही जानकारी है।

बतौर मुख्य वक्ता हरयाणा राज्य गौशाला संघ के प्रदेशाध्यक्ष शमशेर आर्य ने बताया कि समस्याएं हर जगह है लेकिन हमें अपने मूल धर्म को नहीं छोड़ना चाहिए और यह भी नहीं है कि दूसरे धर्मों में जाकर हम सुखी हो पाएंगे क्योंकि वैदिक धर्म से पवित्र और सुख देने वाला कोई दूसरा धर्म नहीं। इस अवसर पर स्वामी आत्मानंद शंकराचार्य, संदीप आर्य, मास्टर रामदास कैथल, वंदे मातरम युवा संगठन के पदाधिकारी व अन्य कई हिन्दू संगठनों के सदस्यों में भी अपने विचार रखें। ग्राम पंचायत चूहड़ माजरा के सरपंच सतपाल फौजी, पवन कुमार समध्याण, जयमल, रामकुमार, मास्टर रामदिया, सत्यप्रकाश शास्त्री, देवा सिंह कौच, संदीप आर्य आदि सहित हजारों ग्रामीण महिलाएं व पुरूष उपस्थित थे।

अमीर की बेटी पार्लर में जितना दे आती है, उतने में गरीब की बेटी अपने ससुराल चली जाती है....

श्री कृष्ण गोपाल गोशाला जुण्डला में गोकथा

श्री कृष्ण गोपाल गौशाला जुंडला जिला करनाल में गौ कथा का आयोजन किया गया जिसमें आचार्य विष्णुकांत वृंदावन गाय के महत्व और गाय से मिलने वाले लाभ के बारे में 1 सप्ताह तक प्रवचन किए। इस अवसर पर स्वामी गोपाल गोस्वामी जी महाराज ने सत्संग में पधारे सभी को भक्तों को आशिर्वाद दिया। हरयाणा राज्य गौशाला संघ के प्रदेश अध्यक्ष शमशेर आर्य, गुरुकुल कालवा के संचालक आचार्य राजेंद्र जी, भारतीय संस्कृति रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी ब्रह्मानंद वैदिक जी आदि ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर गोशाला के प्रधान किशन मुरारी सिंगला उपप्रधान वेदप्रकाश, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सलूजा, प्रबंधक सुरेश कंबोज, बलबीर भोला, सुभाष चंद्र रोड, गोपी सेहरा, पवन थरेजा, आदि सहित गोशाला जुंडला से प्रेम शर्मा, गौशाला उपलाना महिपाल राणा, निसिंग से जयनारायण सिंगला, राधा कृष्ण गोशाला करनाल के प्रधान कृष्ण लाल तनेजा, कुंजपुरा गौ शाला के प्रधान सोहन लाल सिंगला, बाबा जसवंत नाथ पराशर, तथा बाबा छोटूनाथ सहित गो हस्पताल करनाल के प्रधान सतीश गुप्ता आदि सहित हजारों गोभक्त एवं महिलाएं उपस्थित रहे।

शाम को थक कर टूटे झोपड़े में सो जाता है वो मजदूर, जो शहर में ऊंची इमारतें बनाता है....

हम अपने बच्चों को क्या बना रहे हैं

एक पूत्र का पिता के नाम पत्र

पूज्य पिताजी!
आपके आशीर्वाद से
आपकी भावनाओं/इच्छाओं के अनुरूप
मैं अमेरिका में व्यस्त हूं
यहाँ पैसा, बंगला, साधन सब हैं
नहीं है तो केवल
समय।
मैं आपसे मिलना चाहता हूं
आपके पास बैठकर बातें करना चाहता हूँ
आपके दुख दर्द को बांटना चाहता हूँ
परन्तु
क्षेत्र की दूरी
बच्चों के अध्ययन की मजबूरी
कार्यालय का काम करना जरूरी
क्या करूँ? कैसे कहूँ?
चाह कर भी
स्वर्ग जैसी जन्म भूमि और माँ के पास
आ नहीं सकता।
पिताजी।!
मेरे पास अनेक सन्देश आते हैं -
माता-पिता सब बेंचकर भी बच्चों को पढ़ाते हैं
और बच्चे
सबको छोड़ परदेस चले जाते हैं
नालायक पुत्र
माता-पिता के किसी काम नहीं आते हैं।

पर पिताजी
मैं कहाँ जानता था
इंजीनियरिंग क्या होती है?
मैं कहाँ जानता था कि पैसे की कीमत क्या होती है?
मुझे कहाँ पता था कि अमेरिका कहाँ है?
मेरा कॉलेज, पैसा और अमेरिका तो बस
आपकी गोद ही थी न?

आपने ही मंदिर न भेजकर स्कूल भेजा
पाठशाला नहीं कोचिंग भेजा
आपने अपने मन में दबी इच्छाओं को पूरा करने
इंजीनियरिंग /पैसा /पद की कीमत
गोद में बिठा बिठाकर सिखाई
माँ ने भी दूध पिलाते हुये
मेरा राजा बेटा बड़ा आदमी बनेगा
गाड़ी बंगला होगा हवा में उड़ेगा
कहा था
मेरी लौकिक उन्नति के लिए
घी के दीपक जलाये थे।।

मेरे पूज्य पिताजी!
मैं बस आपसे इतना पूछना चाहता हूं
मैं आपकी सेवा नहीं कर पा रहा
मैं बीमारी में दवा देने नहीं आ पा रहा
मैं चाहकर भी पुत्र धर्म नहीं निभा पा रहा
मैं हजारों किलोमीटर दूर
बंगले में और आप
गाँव के उसी पुराने मकान में
क्या इसका दोष सिर्फ़ मेरा है?

आपका पुत्र

इस दुनिया के लोग भी कितने अजीब है ना, अपने खिलौने छोड़ कर जज़्बातों से खेलते हैं।

कत्लखाने बन्दी क्यों?

योगी आदित्यनाथ ने यूपी के मुख्यमंत्री बनने के बाद कई कत्लखाने बन्द करवा दिए पर इस कार्य की सराहना करने की बजाय मीडिया की सुर्खियों में कुछ नया विवाद ही देखने को मिल रहा है। जैसे कि कत्लखाने बंद होने से करोड़ों का नुकसान होगा, कई लोग बेरोजगार हो जाएंगे आदि। लेकिन ऐसा ही मामला स्वर्गीय श्री राजीव दीक्षित सुप्रीम कोर्ट में लेकर गए थे।

आइये जानते है क्या कहा था राजीव दीक्षित ने और क्या था सुप्रीम कोर्ट का आर्डर

राजीव दीक्षित ने सुप्रीम कोर्ट के मुकदमें मे कसाईयों द्वारा गाय काटने के लिए वही सारे कुतर्क रखे जो कभी शरद पवार द्वारा बोले गए या इस देश के ज्यादा पढ़ें लिखे लोगों द्वारा बोले जाते हैं या देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू द्वारा कहे गए थे और आज जो मीडिया द्वारा कहे जा रहे हैं।

कसाईयो के कुतर्क

1. गाय जब बूढ़ी हो जाती है तो बचाने मे कोई लाभ नहीं उसे कत्ल करके बेचना ही बढ़िया है और हम भारत की अर्थ व्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं क्योंकि गाय का मांस एक्सपोर्ट कर रहे हैं ।

2. भारत में गाय के चारे की कमी है । वह भूखी मरे इससे अच्छा ये है कि हम उसका कत्ल करके बेचें ।

3. भारत में लोगो को रहने के लिए जमीन नहीं है गाय को कहाँ रखें ?

4. इससे विदेशी मुद्रा मिलती है और सबसे खतरनाक कुतर्क जो कसाइयों की तरफ से दिया गया है कि गाय की हत्या करना हमारे इस्लाम धर्म में लिखा हुआ है कि हम गायों की हत्या करें (this is our religious right)

श्री राजीव दीक्षित की तरफ से बिना क्रोध प्रकट किए बहुत ही धैर्य से इन सब कुतर्कों का तर्कपूर्वक जवाब दिया गया।

उनका पहला कुतर्क गाय का मांस बेचते हैं तो आमदनी होती है देश को।

राजीव भाई ने सारे आंकड़े सुप्रीम कोर्ट में रखे कि एक गाय को जब काट देते हैं तो उसके शरीर में से कितना मांस निकलता है ?

कितना खून निकलता है??

कितनी हड्डियाँ निकलती हैं ??

एक स्वस्थ्य गाय का वजन कमसे कम 3 से साढ़े तीन कवींटल होता है उसे जब काटे तो उसमे से मात्र 70 किलो मांस निकलता है एक किलो गाय का मांस जब भारत से एक्सपोर्ट (E & port) होता है तो उसकी कीमत है लगभग 50 रुपए। तो 70 किलो का 50 से गुना को ! 70 × 50 = 3500 रुपए।

खून जो निकलता है वो लगभग 25 लीटर होता है। जिससे कुल कमाई 1500 से 2000 रुपए होती है !

फिर हड्डियाँ निकलती है वो भी 30-35 किलो हैं ! जो 1000 - 1200 के लगभग बिक जाती है !!

तो कुल मिलकर एक गाय का जब कत्ल करें और मांस, हड्डियाँ खून समेत बेचें तो सरकार को या कत्ल करने वाले कसाई को 7000 रुपए से ज्यादा नहीं मिलता !!

फिर राजीव भाई द्वारा कोर्ट के सामने उल्टी बात रखी गई कि यदि गाय को कत्ल न करें तो क्या मिलता है ? हमने कत्ल किया तो 7000 मिलेगा और अगर इसको जिंदा रखे तो कितना मिलेगा ?

तो उसका कैलकुलेशन (Calculation) ये है !!

एक गाय एक दिन में 7 किलो गोबर देती है और 5 से 6 लीटर मूत्र देती है। गाय के एक किलो गोबर से 33 किलो Fertilizer (खाद) बनती है। जिसे organic खाद कहते हैं तो कोर्ट के जज ने कहा how it is possible ??

राजीव भाई द्वारा कहा गया कि आप हमें समय और स्थान दीजिये हम आपको यही सिद्ध करके बताते हैं । कोर्ट ने आज्ञा दी तो राजीव भाई ने उनको पूरा करके दिखाया और कोर्ट से कहा कि आई. आर. सी. के वैज्ञानिक को बुला लो और टेस्ट करा लो । जब गाय का गोबर कोर्ट ने भेजा टेस्ट करने के लिए तो वैज्ञानिकों ने कहा कि इसमें 18 (micronutrients) पोषक तत्व हैं। जो सभी खेत की मिट्टी को चाहिए जैसे मैगनीज है! फोस्फोरस! पोटाशियम, कैल्शियम, आयरन, कोबाल्ट, सिलिकोन आदि आदि। रासायनिक खाद में मुश्किल से तीन होते हैं। तो गाय का खाद रासायनिक खाद से 10 गुना ज्यादा ताकतवर है। ये बात कोर्ट को माननी पड़ी !

राजीव भाई ने कहा अगर आपके पोंटोकोल के खिलाफ न जाता हो तो आप चलिये हमारे साथ और देखे कहां-कहां हम 1 किलो गोबर से 33 किलो खाद बना रहे हैं। राजीव भाई ने कहा मेरे अपने गाँव में मैं बनाता हूं! मेरे माता पिता दोनों किसान हैं पिछले 15 साल से हम गाय के गोबर से ही खेती करते हैं !

शेष अगले पेज पर....

बचपन भी कमाल का था, खेलते खेलते चाहें छत पर सोयें या ज़मीन पर, आँख बिस्तर पर ही खुलती थी...

1 किलो गोबर है तो 33 किलो खाद बनता है और 1 किलो खाद का जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में भाव है वो 6 रुपए है! तो रोज 10 किलो गोबर से 330 किलो खाद बनेगी! जिसे 6 रुपए किलो के हिसाब से बेचें तो 1800 से 2000 रुपए रोज का गाय के गोबर से मिलता है ! और गाय के गोबर देने मे कोई सन्डे (Sunday) नहीं होता Weekly Off नहीं होता! हर दिन मिलता है।

साल में कितना ?

1800 × 365 = 657000 रुपए साल का! और गाय की सामान्य उम्र 20 साल है और वो जीवन के अंतिम दिन तक सगोबर देती है । तो 1800 गुना 365 गुना 20 कर लो आप !! 1 करोड़ से ऊपर तो मिल जाएगा केवल गोबर से! अब बात करते हैं गौ मूत्र की। रोज का 2 - सवा दो लीटर देती है । इसमें सुवर्ण क्षार होता है जो वैज्ञानिकों ने भी सिद्ध करके दिखाया है और इससे औषधियां बनती है।

Diabetes Arthritis Bronkitis, Bronchial Asthma, Tuberculosis, Osteomyelitis ऐसे करके 48 रोगो की औषधियां बनती हैं और गाय के एक लीटर मूत्र का बाजार में दवा के रूप मे कीमत 500 रुपए है। वो भी भारत के बाजार में, अंतरराष्ट्रीय बाजार में तो इससे भी ज्यादा है।

अमेरिका में गौ मूत्र Patent हैं और अमरीकी सरकार हर साल भारत से गाय का मूत्र Import करती है और उससे कैंसर की Medicine बनाते हैं। diabetes की दवा बनाते हैं और अमेरिका मे गौ मूत्र पर एक दो नहीं तीन patent है । अमेरिकन market के हिसाब से calculate करें तो 1200 से 1300 रुपए लीटर बैठता है एक लीटर मूत्र, तो गाय के मूत्र से लगभग रोज की 3000 की आमदनी और एक साल का 3000 × 365 =1095000 और 20 साल का 300 × 365 × 20 = 21900000 इतना तो गाय के गोबर और मूत्र से हो गया एक साल का।

और इसी गाय के गोबर से एक गैस निकलती है जिसे मैथेन कहते हैं और मैथेन वही गैस है जिससे आप अपने रसोई घर का सिलंडर चला सकते हैं और जरूरत पड़ने पर गाड़ी भी चला सकते हैं। जैसे LPG गैस से गाड़ी चलती है वैसे मैथेन गैस से भी गाड़ी चलती है तो न्यायधीश को विश्वास नहीं हुआ तो राजीव भाई ने कहा आप अगर आज्ञा दो तो आपकी कार में मेथेन गैस का सिलंडर लगवा देते हैं ।आप चला के देख लो उन्होने आज्ञा दी और राजीव भाई ने लगवा दिया और जज साहब ने 3 महीने गाड़ी चलाई और उन्होने कहा Its Excellent क्यूंकि इसका खर्चा आता है मात्र 50 से 60 पैसे किलोमीटर और डीजल से आता है 4 रुपए किलो मीटर।

मेथेन गैस से गाड़ी चले तो धुआँ बिलकुल नहीं निकलता। डीजल गैस से चले तो धुआँ ही धुआँ। मेथेन से चलने वाली गाड़ी में शोर बिलकुल नहीं होता और डीजल से चले तो इतना शोर होता है कि कान के पर्दे फट जाएँ तो ये सब जज साहब की समझ में आया। तो फिर हम (राजीव भाई ने कहा) अगर रोज का 10 किलो गोबर इकट्ठा करें तो एक साल में कितनी मेथेन गैस मिलती है? 20 साल में कितनी मिलेगी और भारत मे 17 करोड़ गाय हैं सबका गोबर एक साथ इकठ्ठा करें और उसका ही इस्तेमाल करे तो 1 सलाख 32 हजार करोड़ की बचत इस देश को होती है। बिना डीजल ,बिना पट्रोल के हम पूरा ट्रांसपोटेशन इससे चला सकते हैं। अरब देशो से भीख मांगने की जरूरत नहीं और पट्रोल डीजल के लिए अमेरिका से डालर खरीदने की जरूरत नहीं। अपना रुपया भी मजबूत।

तो इतने सारे Calculation जब राजीव भाई ने दिए सुप्रीम कोर्ट में तो जज ने मान लिया कि गाय की हत्या करने से ज्यादा उसको बचाना आर्थिक रूप से लाभकारी है।

जब कोर्ट की Opinion आई तो ये मुस्लिम कसाई लोग भड़क गए उनको लगा कि अब केस उनके हाथ से गया क्योंकि उन्होने कहा था कि गाय का कत्ल करो तो 7000 हजार की इन्कम और इधर राजीव भाई ने सिद्ध कर दिया कत्ल ना करो तो लाखो करोड़ो की इन्कम। और फिर उन्होने ने अपना Trump Card खेला। उन्होंने कहा कि गाय का कत्ल करना हमारा धार्मिक अधिकार है (this is our religious right)

तो राजीव भाई ने कोर्ट में कहा कि अगर ये इनका धार्मिक अधिकार है तो इतिहास में पता करो कि किस - किस मुस्लिम राजा ने अपने इस धार्मिक अधिकार का प्रयोग किया? तो कोर्ट ने कहा ठीक है एक कमीशन बैठाओ हिस्टोरीयन को बुलाओ और जितने मुस्लिम राजा भारत में हुए, सबकी History निकालो दस्तावेज़ निकालो और किस किस राजा ने अपने इस धार्मिक अधिकार का पालन किया ?

कोर्ट के आदेश अनुसार पुराने दस्तावेज जब निकाले गए तो उससे पता चला कि भारत में जितने भी मुस्लिम राजा हुए एक ने भी गाय का कत्ल नहीं किया। इसके उल्टा कुछ राजाओ ने गायों के

कत्ल के खिलाफ कानून बनाए। उनमे से एक का नाम था बाबर । बाबर ने अपनी पुस्तक बाबर नामा में लिखवाया है कि मेरे मरने के बाद भी गाय के कत्ल का कानून जारी रहना चाहिए। तो उसके पुत्र हुमायु ने भी उसका पालन किया और उसके बाद जितने मुगल राजा हुए सबने इस कानून का पालन किया Including औरंगजेब।

फिर दक्षिण भारत में एक राजा था हेदर अली टीपू सुल्तान का बाप। उसने एक कानून बनवाया था कि अगर कोई गाय की हत्या करेगा तो हैदर उसकी गर्दन काट देगा और हैदर अली ने ऐसे सैकंडो कसाइयों की गर्दन काटी थी जिन्होंने गाय को काटा था फिर हैदर अली का बेटा आया टीपू सुलतान तो उसने इस कानून को थोड़ा हल्का कर दिया तो उसने कानून बना दिया की हाथ काट देना।

तो टीपू सुलतान के समय में कोई भी अगर गाय काटता था तो उसका हाथ काट दिया जाता था।

तो ये जब दस्तावेज जब कोर्ट के सामने आए तो राजीव भाई ने जज ससाहब से कहा कि आप जरा बताइये अगर इस्लाम में गाय को कत्ल करना धार्मिक अधिकार होता तो बाबर तो कट्टर इस्लामी था 5 वक्त की नमाज पढ़ता था हुमायु और औरंगजेब तो सबसे ज्यादा कट्टर थे तो इन्होंने क्यों नहीं गाय का कत्ल करवाया??

क्यों गाय का कत्ल रोकने के लिए कानून बनवाए?? क्यों हेदर अली ने कहा कि वो गाय का कत्ल करने वाले का गर्दन काट देगा ??

तो राजीव भाई ने कोर्ट से कहा कि आप हमे आज्ञा दें तो हम ये कुरान शरीफ, हदीस, आदि जितनी भी पुस्तकें हैं हम ये कोर्ट मे पेश करते हैं और कहाँ लिखा है गाय का कत्ल करो ये जानना चाहतें है। इस्लाम की कोई भी धार्मिक पुस्तक में नहीं लिखा है कि गाय का कत्ल करो।

हदीस में तो लिखा हुआ है कि गाय की रक्षा करो क्यूंकि वो तुम्हारी रक्षा करती है। पैंगबर मुहमद साहब का Statement है कि गाय अबोल जानवर है इसलिए उस पर दया करो और एक जगह लिखा है गाय का कत्ल करोगे तो नरक में भी जमीन नहीं मिलेगी।

राजीव भाई ने कोर्ट से कहा अगर कुरान ये कहती है मुहम्मद साहब ये कहते हैं हदीस ये कहती है तो फिर ये गाय का कत्ल करना धार्मिक अधिकार कब से हुआ??

पूछो इन कसाईयो से ?

तो कसाई बोखला गए और राजीव भाई ने कहा अगर मक्का मदीना में भी कोई किताब हो तो ले आओ उठा के।

अंत में कोर्ट ने उनको 1 महीने का पर्मिशन दिया कि जाओ और दस्तावेज ढूंढ के लाओ जिसमें लिखा हो गाय का कत्ल करना इस्लाम का मूल अधिकार है। हम मान लेंगे।

और एक महीने तक भी कोई दस्तावेज़ नहीं मिला। कोर्ट ने कहा अब हम ज्यादा समय नहीं दे सकते और अंत 26 अक्तूबर 2005 Judgement आ गया और आप चाहें तो Judgement की copy www.supremecourtcaselaw. com पर जाकर Download कर सकते हैं।

यह 66 पन्ने का Judgement है सुप्रीम कोर्ट ने एक इतिहास बना दिया और उन्होंने कहा कि गाय को काटना संवैधानिक पाप है धार्मिक पाप है और सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गौ रक्षा करना,सर्वधन करना देश के प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक कर्तव्य है। सरकार का तो है ही नागरिकों का भी कर्तव्य है।

अब तक जो संवैधानिक कर्तव्य थे जैसे, संविधान का पालन करना, राष्ट्रीय ध्वज, का सम्मान करना, क्रांतिकारियों का सम्मान करना, देश की एकता, अखंडता को बनाए रखना आदि आदि अब इसमें गौ की रक्षा करना भी जुड़ गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत के सभी राज्यों की सरकार की जिम्मेदारी है कि वो गाय का कत्ल अपने अपने राज्य में बंद कराये और किसी राज्य में गाय का कत्ल होता है तो उस राज्य के मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी है राज्यपाल की जवाबदारी, चीफ सेकेट्री की जिम्मेदारी है, वो अपना काम पूरा नहीं कर रहे है तो ये राज्यों के लिए संवैधानिक जवाबदारी है और नागरिको के लिए संवैधानिक कर्तव्य है।

ये तो केवल गाय के गोबर और गौ मूत्र की बात की गई। अगर उसके दूध की बात करे तोकितने करोड़ का आंकड़ा पहुँच जायेगा।

अब कई तथाकथित मीडिया वाले या सेकुलर बोलेंगे कि हम गाय की बात नही करते है हम भैंस आदि पशु की बात करते हैं तो भैस के गोबर और मूत्र को खेत में डालने से अधिक धान, सब्जी आदि पैदा किये जाते हैं तो उससे गोबर और समूत्र से भी पैसा कमा सकते हैं और उसके दूध आदि से भी करोड़ो रूपये कमा सकते हैं और एक भैंस की कीमत 70,000 से 80,000 गिने तो भी उसके मीट, खून, हड्डियां, चमड़ा आदि बेचने से कई अधिक पैसा होता है।

मीट खाने से कई बीमारियां भी होती है और उसका दूध पीने से व्यक्ति स्वस्थ रहता है अत: कत्लखाने बन्द करना ही उचित होगा।

दुनिया में सब चीज मिल जाती है, केवल अपनी गलती नहीं मिलती।

जिला गोशाला संघ के प्रधान चुने गये स्वामी इन्द्रगिरि

कैथल: हरयाणा राज्य गौशाला संघ के प्रदेशाध्यक्ष शमशेर आर्य ने प्रदेश में गाय की दयनीय स्थिति पर रोष प्रकट करते हुए कहा कि हमारे पड़ोस में यूपी के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी जी बूचड़खाने बंद कर रहे हैं जबकि हरियाणा में सरकार गौशालाएं बंद करने पर तुली हुई हैं । बार-बार घोषणाओं और आश्वासनों के बावजूद गाय के नाम पर प्रदेश में कोई कार्य नहीं हो रहा और लूट मची हुई है तथा गो-संरक्षण एवं संवर्धन एक्ट की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। श्री आर्य ने आरोप लगाया कि गौशालाओं से चंदा इकट्ठा करके गबन करने वाले और हरयाणा राज्य गौशाला संघ के नाम पर धोखाधड़ी व फर्जीवाड़ा करने वाले आचार्य योगेंद्र आर्य जैसे लोगों को हरियाणा गोसेवा आयोग से तुरंत हटाया जाए। सरकार ने गो भक्तों की मांग नहीं मानी तो प्रदेशव्यापी जन आंदोलन किया जाएगा।

जिला गोशाला संघ का प्रधान चुने जाने पर स्वामी इंद्रगिरी का स्वागत करते हुए प्रदेशाध्यक्ष शमशेर आर्य व अन्य

आर्य ने आरोप लगाया गया कि गत दो-तीन वर्षों में गौशालाओं की ग्रांट बंद हो चुकी है तथा सरकार की ओर से घोषित की गई कोई भी योजना लागू नहीं हो पा रही है जिससे गौशालाओं की स्थिति दयनीय बनी हुई है तथा लोगों में गाय के प्रति आस्था खत्म होती जा रही है । बैठक को संबोधित करते हुए गौशाला संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष महंत मूर्ति पुरी महाराज , गौशाला संघ जिला कैथल के नवनियुक्त प्रधान स्वामी इंद्र गिरी महाराज, महंत त्रिवेणी दास कठवाड , जिला गौशाला संघ के सचिव मास्टर रामदास, गौरक्षा दल कैथल के प्रधान मेवा सिंह आदि के पदाधिकारियों ने भी संबोधित करते हुए।

गौ तस्करी रोकने तथा गौ संवर्धन करने गौशालाओं की ग्रांट के नाम पर कमीशनखोरी बंद करने की मांग उठाई।

गोचर भूमि खाली करवाकर गौशालाओं को सौपने, गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने प्रत्येक जिला स्तर पर नस्ल सुधार केंद्र स्थापित करने तथा सड़कों पर घूम रहे बेसहारा गोवंश के लिए गांव स्तर पर छोटे-छोटे अभयारण्य स्थापित करने की मांग उठाई।

इस अवसर पर गोपाल गौशाला के सचिव ताराचंद कुंडू , संरक्षक सुमेर चंद चौधरी , सत्य प्रकाश शास्त्री हिसार, पाडला गो शाला के प्रधान लज्जाराम शर्मा, राजेश बेनीवाल ,गौशाला अनाज मंडी के रामफल सिंह, सीवन गौशाला के चंद्रभान सैनी, राजकुमार शर्मा, बाता गोशाला के वैशाखी राम , राजकुमार आदि गोभक्त उपस्थित थे।

- महंत इंद्रगिरी बने जिला प्रधान -

इस अवसर पर जिला गौशाला संघ कैथल की कार्यकारिणी का चुनाव करवाया गया। जिसमें जूना अखाड़ा सीवन के महंत इंदर गिरी महाराज को जिला प्रधान तथा सुमेर सिंह चौधरी कैथल व पंडित लज्जाराम शर्मा पाडला को संरक्षक बनाया गया तथा बाकी कार्यकारिणी बनाने का अधिकार प्रधान व संरक्षक को दिया गया।

गोशाला धांगड में आयोजित गोकथा व हवन

श्री जाम्भा कृष्ण गौशाला धांगड़ में आयोजित गौ कथा के समापन अवसर पर आयोजित हवन में आहूति डलवाकर उपस्थित गौभक्तों को गौसेवा का संकल्प दिलवाते हुए स्वामी राजेन्द्रानन्द महाराज हरिद्वार तथा साथ में हरियाणा राज्य गौशाला संघ के प्रदेशाध्यक्ष शमेशर आर्य, गौशाला संरक्षक कपूर सिंह आदि।

श्री कृष्ण गोशाला भूथन कलां में गोकथा

श्री कृष्ण गौशाला भूथन कला, फतेहाबाद में गौ विज्ञान एवं रामकथा करते हुए सम्पूर्ण गौरक्षा अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी रामभगत महाराज तथ गौभक्तों को सम्मानित करते हुए हरियाणा राज्य गौशाला संघ के प्रदेशाध्यक्ष शमशेर आर्य।

गऊ माता हमन बचानी है जेली ठा लो भाइयो र

गाने की शूटिंग आज पूरी हो गई इस गाने के हरियाणवी सिंगर मीता बरौधा उसकी टीम व गऊ रक्षको के अध्यक्षों व जवानों ने रोल निभाया और विक्रांत के माता पिता से ही इस गाने की स्टार्टिंग है जिसमे शहिद विक्रांत यादव भाई का सबसे ज्यादा रोल दिलाया जाएगा इस गाने की शूटिंग मांडौठी गऊशाला में व गऊ रक्षक सेना हैड ऑफिस व विक्रांत यादव की समाधी स्थल ख्वासपुर में हुई पूरी गऊ रक्षक सेना टीम मिते भाई व उसकी टीम को तह दिल से बार-बार धन्यवाद करते जो कि उन्होंने गऊ माता की हालत देखते हुए नोजवानो को जगाने के लिए ये गाना तैयार किया।

नवीन दलाल, गऊ रक्षक सेना अध्यक्ष

अपना मजहब उंचा और गैरो का ओछा, ये सोच हमें इन्सान बनने नहीं देती ।

गाय के गोबर से इंडोनेशिया की दो छात्राओं ने Air Freshener बनाया

जी हां ये सत्य है। इंडोनेशिया की छात्रा डवि व मिकी ने गाय के ताजा गोबर का पहले तीन दिन Fermentation किया, फिर उस को छान कर उस का पानी अलग कर लिया। उस पानी में उन्होंने नारियल पानी मिला दिया तथा सभी प्रकार की अशुद्धियों को दूर करने के लिए इस का Distillation किया। लो जी हो गया एक दम प्राकृतिक Air Freshener तैयार।

जो Distilled द्रव्य था वो पेड़ पौधों व फुलों जैसी ताजगी लिये था। दोस्तो आप को तो पता ही है कि बाजार में मिलने वाले Air Freshener में खतरनाक रसायन होते हैं तथा वो अस्थमा व अन्य फेफड़ो की बिमारियों को जन्म देते हैं। इस प्राकृतिक Air Freshener कि कीमत भी अन्य बाजार में उपलब्ध उत्पादों के मुकाबले बहुत कम है, 100 मिली लीटर की लगभग 70 /- ? मात्र तथा सेहत के लिए एक दम सुरक्षित।

है ना कमाल की खबर ?

मित्रो अगर स्वस्थ रहना है तो हानिकारक रसायनों को छोड़ना ही होगा व प्रकृति की शरण में जाना ही होगा, यही एक मात्र विकल्प है।??

गोबर के गुण गाता, गौ मैया के जयकारे लगाता,

मांस तो मांस ही होता है

शोभा डे नाम की एक कुख्यात लेखिका की टिप्पणी मांस तो मांस हो होता है, चाहे गाय का हो, या बकरे का, या किसी अन्य जानवर का.....। फिर, हिन्दू लोग जानवरों के प्रति अलग-अलग व्यवहार कर के क्यों ढोंग करते है कि बकरा काटो, पर, गाय मत काटो। ये उनकी मूर्खता है कि नहीं..... ?

जवाब -1.

बिल्कुल ठीक कहा शोभा जी आप ने। मर्द तो मर्द ही होता है, चाहे वो भाई हो, या पति, या बाप, या बेटा। फिर, तीनो के साथ आप अलग-अलग व्यवहार क्यों करती हैं ? क्या सन्तान पैदा करने, या यौन-सुख पाने के लिए पति जरुरी है ? भाई, बेटा, या बाप के साथ भी वही व्यवहार किया जा सकता है, जो आप अपने पति के साथ करती हैं। ये आप की मूर्खता और आप का ढोंग है कि नहीं..... ?

जवाब-2.

घर में आप अपने बच्चों और अपने पति को खाने-नाश्ते में दूध तो देती ही होंगी, या चाय-कॉफी तो बनाती ही होंगी... ! जाहिर है, वो दूध गाय, या भैंस का ही होगा। तो, क्या आप कुतिया का भी दूध उनको पिला सकती हैं, या कुतिया के दूध की भी चाय-कॉफी बना सकती हैं.. ? क्यों नही ? दूध तो दूध है , चाहे वो किसी का भी हो.. ! ये आप की मूर्खता और आप का ढोंग है कि नहीं..... ?

प्रश्न मांस का नहीं, आस्था और भावना का है। जिस तरह, भाई, पति, बेटा, बेटी, बहन, माँ, आदि रिश्तों के पुरुषों-महिलाओं से हमारे सम्बन्ध मात्र एक पुरुष, या मात्र एक स्त्री होने के आधार पर न चल कर भावना और आस्था के आधार पर संचालित होते हैं, उसी प्रकार गाय, बकरे, या अन्य पशु भी हमारी भावना के आधार पर व्यवहृत होते हैं ।

इसी विषय में एक सवाल -

Save tiger कहने वाले समाज सेवी होते हैं और Save Dogs" कहने वाले पशु प्रेमी होते हैं। तब, Save Cow कहने वाले कट्टरपन्थी कैसे हो गये..... ? इसका जवाब अगर किसी के पास हो, तो बताने की ज़रूर कृपा करे।

- सत्यप्रकाश शास्त्री

काम का आलस्य और पैसो का लालच, हमें मक्खन बनने नहीं देता ।

देशप्रेम और राष्ट्रवाद की, योगी अलख जगाएगा

अबतक तो उम्मीद नहीं थी, यू पी के दिन बदलेंगे
गुंडे तस्कर और मवाली, अपनी राहें बदलेंगे।

लेकिन मोदी जी ने मोदी वाला, तेवर दिखा दिया
सबकी हाँ मिलते ही योगी जी को, सी एम बना दिया।

माथे पर चंदन टीका है, सूर्य तेज़ के स्वामी हैं
यू पी के दिल की सुन ली, मोदी जी अंतर्यामी हैं।

हाथी थककर बैठ गया है, और साइकल टूटी है
पूरा यू पी झूम रहा हैं, बस योगी की तूती है।

कई सियासी गठबंधन अब, भिखमंगे हो जाएंगे
माँ को डायन कहने वाले, सब नंगे हो जाएंगे।

यू पी के सब गुंडो सुनलो, ये पिस्टल वाला गांधी हैं
योगी केवल नाम नहीं हैं, योगी खुद में आंधी हैं।

जिन को घिन आती हो, भारत माँ को माता कहने में
जिनकी सांसे फूल रही हो, वन्दे मातरम कहने में।

उनको योगी, योगी वाली, भाषा में समझाएंगे
वक्त पड़ा तो हिटलर वाले, तेवर भी अपनाएंगे।

हाँ, थोड़ा कड़वा तेवर हैं, कड़वी भाषा कहते हैं
लेकिन योगी राष्ट्रवाद को, गले लगाकर रहते हैं।

साम दाम और दंड भेद का, मंतर पढ़ना आता हैं
योगी जी को सीधी ऊँगली, टेढ़ी करना आता हैं।

अफ़ज़ल के जीजा साले, अब बोलो किस पर ऐंठेंगे
भैंसों के सारे मालिक अब, गाय बाँध कर बैठेंगे।

वक्त लगेगा, लेकिन यू पी, पावन सी हो जाएगी
अब यू पी में हर दिन होली, रात दिवाली आएगी।

कवि 'परवाना' की कविता, अब पूरा यू पी गाएगा
देशप्रेम और राष्ट्रवाद की, योगी अलख जगाएगा।

मूत्र से औषधियां

यदि आप गौ मूत्र और उससे बनी दवाओं का सेवन नहीं करना चाहते हैं तो यह पोस्ट जरुर पढ़े।

आयुर्वेद के अनुसार गौ मूत्र अकेले ही कई गंभीर बीमारियों को खत्म करने में सक्षम है, इस पर मैंने कई बार डेमो भी दिखायें लेकिन कुछ लोगों को फिर भी समझ में नहीं आता है , कई भाई बहन मेरा मजाक भी बनाते हैं। कहते हैं कौन मूत्र पियेगा ... ? कोई कहता है कि बहुत कडुवी है। बहुत से लोग विभिन्न कारणों का बहाना बनाकर गाय का मूत्र का सेवन नहीं करते है ऐसे लोगो के लिए यह जानना आवश्यक है कि आयुर्वेद में ही नहीं अपितु एलोपैथी में भी मूत्र आधारित कई दवाओं का निर्माण किया जाता है। जैसे - Pergonal नामक एक दवाई है जो मनुष्य के मूत्र से बनायीं जाती है। यह एक फर्टिलिटी ड्रग है ऐसे ही 'यूरोकाईन' नामक इंजेक्शन सावर्जनिक मूत्रालयों से प्राप्त मूत्र से बनता हैं। यह ब्लड Clotting के लिए और हृदय की बीमारियों में रामबाण समझा जाता है। एक और दवाई है 'प्रोफेसी' जो हॉस्पिटल्स में गर्भवती महिलाओं द्वारा पैथोलॉजी में दिए गये सैंपल को एकत्र करके और प्रोसेस करके बनायीं जाती है। यह गर्भपात को रोकने और नपुंसकता को दूर करने के काम आती है। इसी प्रकार से एक दवाई है Preparing जो गर्भवती घोड़ी के मूत्र को प्रोसेस करके बनायीं जाती है।

यह बहुत सांकेतिक थोड़ी सी जानकारी दी गई है, आज सबके हाथ में स्मार्टफोन और लैपटॉप है इन दवाओं के नाम, कैसे बनायीं जाती हैं आप मुझसे अधिक समझदार हैं स्वत: गूगल पर देख लें।

भैणी चन्द्रवाल में समारोह

नव सम्वत पर आर्य जन सम्मानित

गांव भैणी चन्द्रपाल जिला रोहतक में नव सम्वत के अवसर पर 3 दिवसीय आर्य महासम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसके समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए भारतीय संस्कृति रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी ब्रह्मानन्द वैदिक, हरियाणा राज्य गौशाला संघ के प्रदेशाध्यक्ष शमशेर आर्य, यज के वर्मा प. रोहताश आर्य आदि ने आर्य समाज वैदिक संस्कृति तथा हमारी भारतीय परम्पराओं के विषय पर प्रकाश डाला तथा विशेष कार्यों व आर्य समाज में सहयोग के लिए ग्रामीणों व बच्चों को स्मृति चिह्न भेट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सूबे सिंह आर्य, विनोद आर्य, राजेन्द्र

शास्त्री, सत्यप्रकाश शास्त्री, महेन्द्र सिंह, राजेन्द्र शास्त्री, रोहताश कुमार, धर्मबीर आर्य, बलवान सिंह, पालेराम आर्य, शिवराज आर्य, ब्रह्मचारी सुबोध, ब्र. परमजीत आर्य, ब्र. गौरव आर्य, ब्र. राहुल आर्य, ब्र. अभिमन्यु आर्य आदि उपस्थित थे।

गुरूकुल लोवाकलां (बहादुरगढ़) का वार्षिकोत्सव

कन्या गुरूकुल लौवाकलां जिला बहादुरगढ़ के वार्षिक उत्सव के अवसर पर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश को माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए शमेशर आर्य, सुखबीर शास्त्री, गुरूकुल के प्रधान श्रीचंद आर्य, गुरूकुल के सलाहकार नारायण सिंह तहलान एडवोकेट, वेदपाल आर्य, आदि।

जिस घाव से खून नहीं निकलता, समझ लेना वो ज़ख्म किसी अपने ने ही दिया है..

850 लोगों ने धारण किया यज्ञोपवीत

यज्ञोपवीत धारण करने वालों को भेंट किया सत्यार्थ प्रकाश ग्रंथ, व्यवस्था को संभालने में लगे हुए थे 250 आर्य

कैथल : 60 हवन कुंडों में 850 युवक-युवतियों ने सात आहुतियों के बाद यज्ञोपवित (जनेऊ) धारण किया। इसके लिए पहले से ही रजिस्ट्रेशन करवाया गया था। मौका दो दिवसीय युवा निर्माण शिविर का था। शिविर का आयोजन राष्ट्रीय आर्य निर्मात्री सभा ने जाट कॉलेज में किया था। एक हवन कुंड में 10-10 युवक युवतियां ने आहुति डाली। युवकों के लिए 40 तो युवतियों के लिए 20 हवन कुंडों की स्थापना की गई थी। दो दिवसीय शिविर में 1200 पुरुष महिलाओं ने हिस्सा लिया। यज्ञोपवित के बाद सभी लोगों को सत्यार्थ प्रकाश ग्रंथ भी पढ़ने के लिए दिया गया।

शिविर को आचार्य परमदेव, आचार्य हनुमत प्रसाद उपाध्याय, आचार्य सुशीला, आचार्य संजीव संबोधित कर आर्य समाज नियमों के बारे में जानकारी दी। शिविर में राष्ट्रीय आर्य निर्मात्री सभा के अध्यक्ष सुरेंद्र आर्य जाजनपुर, जिलाध्यक्ष अमनदीप आर्य, कोषाध्यक्ष प्रवीण आर्य काकौत, जसबीर आर्य, गांव क्योड़क के सरपंच बलकार आर्य, योगेश, संजीव, लोकनाथ, अशोक पाल, प्रवीण कुमार उपस्थित रहे।

दो दिन दी धर्म के बारे में जानकारी, फिर हुआ यज्ञोपवित- दोदिवसीय युवा निर्माण शिविर में 1200 युवक युवतियों को दो दिन तक शिविर में आर्य युवक-युवतियों को एक आर्य की भूमिका आर्य कौन हैं के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा भगवान कौन हैं, भगवान का संविधान क्या है, धर्म, भूत-प्रेत क्या है और उनकी सच्चाई क्या है तथा योग शास्त्र वेदों के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद 850 युवक-युवतियों को जनेऊ यानि यज्ञोपवित धारण करवाया गया। इससे पहले सभी को जनेऊ पहनने के नियम जनेऊ के महत्व के बारे में पूरी जानकारी दी गई।

100गांवों में तीन हजार पंजीकृत आर्य प्रचारक = आर्यप्रमुख जसबीर ने बताया कि शिविर से पहले जिले के सभी गांवों में प्रचार किया गया। इस समय जिले के 100 गांवों में तीन हजार पंजीकृत आर्य प्रचारक हैं।

250 आर्य युवक-युवतियों ने संभाल रखी थी व्यवस्था

शिविर में दो दिनों तक सभी के रहने-खाने का प्रबंध किया गया था। किसी को परेशानी हो इसके लिए 250 आर्य युवक-युवतियों ने पूरी व्यवस्था को संभाले रखा था। इसी कारण पूरा कार्यक्रम सफलता के साथ पूर्ण हुआ।

महिला पुरुषों के लिए अलग-अलग लगे शिविर

शिविरमें महिलाओं पुरुषों के लिए अलग-अलग प्रबंध किए गए थे। आचार्य सुशीला पुरुषों को संबोधित करने के लिए आचार्य परमदेव, आचार्य हनुमत प्रसाद उपाध्याय, आचार्य संजीव विशेष रूप से पहुंचे हुए थे।

जनेऊ के तीन धागों का विशेष महत्व

जनेऊ को उपवीत, यज्ञ सूत्र, व्रतबंध, बलबंध, मोनीबंध और ब्रह्मसूत्र भी कहते हैं। वेदों में जनेऊ धारण करने की हिदायत दी गई है। इसे उपनयन संस्कार भी कहते हैं। यानि ब्रह्म और ज्ञान के पास ले जाना है। जनेऊ में तीन धागों का अपना महत्व है। आचार्यों ने बताया कि तीन धागों में पहले में ऋषि ऋण जिसका अर्थ है। जो ज्ञान हमें प्राप्त होगा, उसे आगे ज्यादा से ज्यादा बांटेगें। दूसरे धागे में देव ऋण जिसमें जमीन,जल, वायु, आकाश की जानकारी होनी चाहिए। इन्हें बचाया कैसे जाए। तीसरे धागे में माता-पिता अपनी संतान को योग्य बनाए।

मशवरा तो खूब देते हो खुश रहा करो कभी कभी वजह भी दे दिया करो...

अब गोबर-गैस से चलेगी बस

कोलकाता : विरासती ट्राम.. हाथरिक्शा..देश में पहली मेट्रो ट्रेन सेवा.. परिवहन क्षेत्र में कोलकाता के नाम कई उपलब्धियां दर्ज हैं। शुक्रवार को इस फेहरिस्त में एक और नाम जुड़ गया-गोबर गैस चालित बस का। भारत में इस तरह की पहली बस कोलकाता में शुरू हो गई। उससे भी बड़ी खुशखबरी यह है कि इस बस से महज एक रुपये में उल्टाडांगा से गरिया तक 17.5 किलोमीटर तक का सफर किया जा सकेगा। यानी यह देश में सबसे सस्ती यात्री परिवहन सेवा होगी।

इस बस को वैकल्पिक ऊर्जा प्रदान करने वाली कंपनी फोनिक्स इंडिया रिसर्च एंड डेवलपमेंट ग्रुप ने लांच किया है। फोनिक्स के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ज्योति प्रकाश दास ने बताया, हमने तीन साल पहले नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सेंट्रल सब्सिडी प्लान के तहत यह परिकल्पना की थी, जिसे आज मूर्त रूप दिया गया। यह भारत ही नहीं, बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया में गोबर गैस से चलने वाली पहली बस है।

नई मेगा पावर पॉलिसी को मंजूरी, बिजली कीमतों में हो सकती है कमी

54 सीटों वाली इस बस को अशोक लीलैंड ने लगभग 13 लाख रुपये की लागत से तैयार किया है, जबकि इसे चलाने में इस्तेमाल होने वाली गोबर गैस हम बीरभूम जिले के दुबराजपुर स्थित अपने प्लांट में तैयार कर रहे हैं। प्रति किलोग्राम गोबर गैस के उत्पादन में 20 रुपये की लागत आती है। यह बस एक किलोग्राम गोबर गैस पर छह किलोमीटर का माइलेज देगी। इसमें जर्मन टेक्नोलॉजी वाला इंजन लगा है। ज्योति प्रकाश ने भावी योजनाओं के बारे में कहा कि इस साल महानगर में विभिन्न रूटों पर इस तरह की 15 और बसें शुरू की जाएंगी, जो बशीरहाट, बेहला, साल्टलेक, हावड़ा समेत विभिन्न रूटों पर चलेंगी।

गठरी बाँध बैठा है अनाड़ी, साथ जो ले जाना था वो कमाया ही नहीं

मुख्यमंत्री हरियाणा के नाम पत्र

सेवा में

मुख्यमंत्री जी

हरियाणा सरकार

श्रीमान जी

निवेदन यह है कि गत विधानसभा चुनावों में सभी गौभक्तों ने प्रदेश में गोभक्त सरकार बनाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाई थी और उम्मीद थी कि अब गाय की स्थिति में सुधार होगा । गाय सड़कों पर अथवा कूड़े के ढेर पर नहीं घूमेगी और गाय के दूध दही घी गोबर गोमूत्र से प्रदेश भर के लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल सकेगा।

प्रदेश में गौशालाओं की स्थिति में सुधार होगा तथा गोभक्तों का समाज में सम्मान होगा। लेकिन बड़े दुर्भाग्य की बात है कि 3 वर्ष बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है तथा गाय की हालत बहुत दयनीय बन चुकी है। राजनेताओं द्वारा गौशालाओं को दिए जाने वाली अनुदान राशि में कमीशन की मांग करना तथा कमीशन ना मिलने के कारण ग्रांट बंद कर देना बहुत ही दुखदाई है।

सरकार की तरफ से समय-समय पर गौ संवर्धन एवं संरक्षण संबंधित बयान आते रहते हैं लेकिन किसी भी घोषणा को अभी तक पूरा नहीं किया गया है।

मान्यवर प्रदेशभर में 550 से ज्यादा गौशालाएं हैं जिनमें लाखों गोवंश का पालन हो रहा है, लेकिन वर्तमान सरकार के कारण गोशाला संचालकों की स्थिति बड़ी हास्यास्पद हो चुकी है। सरकारी बयानों के कारण न हीं तो लोगों से दान मिल रहा है और ना ही सरकार से अनुदान।

जिसके कारण गौतस्करी भी अपने चरम पर पहुंच चुकी है तथा प्रदेश का अधिकतर गोवंश तस्करों का शिकार बन चुका है।

अत आपसे निवेदन है कि

1. गौशालाओं व गोसेवी संस्थाओं को दी जाने वाली ग्रांट में कमीशन खोरी बंद की जाए ।

2. सरकार द्वारा घोषित की गई गोवंश संबंधित योजनाओं को लागू किया जाए।

3. गोतस्करी पर प्रभावी तरीके से रोक लगाई जाए।

4. गौसेवा आयोग में आचार्य योगेन्द्र आर्य जैसे लोगों को सदस्य बनाया गया है जिन्होंने गौशालाओं के नाम पर धोखाधड़ी की है तथा उनके चंदे की राशि का गबन किया है। अत: गो सेवा आयोग का पुनर्गठन किया जाए और नियमानुसार तथा गाय के प्रति आस्था रखने वाले लोगों को आयोग का सदस्य बनाया जाए।

5. प्रदेश में क्रॉस ब्रीड पशुओं के सीमन बंद किए जाएं तथा भारतीय नस्लों के सीमन उपलब्ध कराए जाएं ताकि भारतीय नस्ल की गायों का संवर्धन किया जा सके।

6. गाय को राष्ट्रीय प्राणी घोषित किया जाए ।

7. प्रत्येक जिला सतर पर नस्ल सुधार केंद्र स्थापित किया जाए ।

8. प्रदेश में हरियाणा नस्ल व साहीवाल नस्ल की गायों को दूध उत्पादन प्रोत्साहन योजना में किसानों व व्यापारियों के साथ साथ गौशालाओं की गायों को भी शामिल किया जाए ताकि गौशालाओं में नस्ल सुधार का कार्य चलता रहे।

9. देसी गोवंश के दूध दही घी सहित पंचगव्य उत्पादों की खरीद हुए बिक्री केंद्र ब्लाक स्तर पर स्थापित किए जाएं।

10.सड़कों पर बेसहारा घूम रहे सांडों के लिए ग्राम स्तरीय छोटे-छोटे अभ्यारण्य बनाए जाएं।

11.गो भक्तों पर दर्ज झूठे मुकदमे तुरंत वापस लिए जाएं तथा फर्जी गौरक्षकों व गाय- गौशाला के नाम पर लूट मचाने वाले लोगों पर नकेल कसी जाए।

शमेशर आर्य अध्यक्ष

हरयाणा राज्य गोशाला संघ

(रजि. 13/1966-67)

टूटी कलम और औनो से जलन, खुद का भाग्य लिखने नहीं देती ।

गौ सेवा आयोग में धोखाधड़ी, फर्जीवाड़े का आरोप

प्रदेशव्यापी गौरक्षा आंदोलन का फैसला

गौशालाओं की ग्रांट बंद करने से गायों की स्थिति दयनीय

प्रदेश सरकार गौशालाएं बंद करने पर तुली : गौशाला संघ

▶▶ गौशालाओं की ग्रांट बंद करने से गायों की स्थिति दयनीय: शमशेर आर्य

गौचर भूमि खाली करवाकर गौशालाओं को दी जाए : आर्य

» गायों की दुर्दशा के खिलाफ जन आंदोलन करेगा गौशाला संघ

जिला गौशाला संघ का प्रधान चुने जाने पर स्वामी इंदगिरि का स्वागत करते हुए प्रदेशाध्यक्ष शमशेर आर्य व अन्य।

गायों को बचाने के लिए हो रहीं सिर्फ बातें

जागरण संवाददाता, कैथल : हरियाणा राज्य गोशाला संघ के प्रदेशाध्यक्ष शमशेर आर्य ने प्रदेश में गो-संवर्धन एक्ट के खुलेआम उल्लंघन पर रोष व्यक्त किया। आर्य ने कहा कि पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में गायों को बचाने के लिए बूचड़खाने बंद किए जा रहे हैं। हरियाणा में सरकार सिर्फ बातें ही कर रही है। गायों के लिए कोई भी घोषणा नहीं की गई है जिसका जमीनी स्तर पर कोई लाभ मिला हो। आर्य जिला कार्यकारिणी के गठन के लिए आयोजित बैठक में भाग ले रहे थे। उन्होंने कहा कि गो सेवा आयोग में हरियाणा राज्य गोशाला संघ के नाम पर गोशालाओं से चंदा के नाम फर्जीवाड़ा करने वाले लोगों को स्थान दिया जाता है। उन्होंने इसकी निंदा करते हुए तुरंत इनको गो-सेवा आयोग से हटाने की मांग की है। आर्य ने कहा कि सरकार ने गो भक्तों की मांग नहीं माना जो प्रदेशव्यापी जन आंदोलन चलाया जाएगा। पिछले दो-तीन वर्षों से सरकार की तरफ से गोशला को किसी प्रकार की ग्रांट नहीं मिली है। कुछ ऐसी योजनाएं भी हैं जिनकी घोषणाएं तो कर दी गई हैं लेकिन उनको अब तक लागू नहीं किया गया है। गोशालाओं की स्थिति दिन भर दिन दयनीय होती जा रही है जिसके कारण गाय के प्रति लोगों की आस्था भी दम तोड़ रही है। इस अवसर पर गोपाल गोशाला के सचिव ताराचंद कुंडू, महंत त्रिवेणी दास, मास्टर रामदास, मेवा सिंह सत्य प्रकाश शास्त्री, राजेश बेनीवाल, रामफल सिंह, चंद्रभान सैनी, राजकुमार शर्मा, वैशाखी राम, राजकुमार मौजूद थे।

गोशाला संघ के प्रधान बने इंद्रगिरी • जागरण

महंत इंद्रगिरी जिला प्रधान

जूना अखाड़ा सीवन के महंत इंद्रगिरी महाराज को जिला गौशाला संघ कैथल का प्रधान नियुक्त किया गया। सुमेर सिंह चौधरी, पंडित लज्जाराम शर्मा पाड़ला को संरक्षक बनाया गया। कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों के गठन की जिम्मेदारी प्रधान और संरक्षक को सौंपी गई है। बाकी कार्यकारिणी बनाने का अधिकार प्रधान को दिया।

ये है मुख्य मांगें

गोशाला संघ के प्रदेश अध्यक्ष महंत मूर्ति पुरी महाराज ने मांगों के बारे में कहा कि गोशालाओं के नाम पर हो रही कमीशनखोरी तुरंत बंद की जाए, गो तस्करी पर रोक लगाते हुए गो संवर्धन के प्रयास किए जाए, गोचर भूमि खाली करवाकर गोशालाओं को सौंपी जाए, गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए।

प्रदेशभर में गोचर भूमि खाली कराकर गौशालाओं को दी जाए: आर्य

भास्कर न्यूज | कैथल

हरियाणा राज्य गौशाला संघ के प्रदेशाध्यक्ष शम्शेर आर्य ने प्रदेश में गाय की दयनीय स्थिति पर रोष प्रकट किया। उन्होंने कहा कि हमारे पड़ोस में यूपी के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी बूचड़खाने बंद कर रहे हैं, जबकि हरियाणा में सरकार गौशालाएं बंद करने पर तुली हुई हैं। बार-बार घोषणाओं और आश्वासनों के बावजूद गाय के नाम पर प्रदेश में कोई कार्य नहीं हो रहा। गो-संरक्षण एवं संवर्धन एक्ट की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। गौशालाओं से चंदा इकट्ठा करके गबन करने वाले और हरियाणा राज्य गौशाला संघ के नाम पर धोखाधड़ी व फर्जीवाड़ा करने वाले लोगों को हरियाणा गोसेवा आयोग से तुरंत हटाया जाए। सरकार ने गो भक्तों की मांग नहीं मानी तो प्रदेशव्यापी जन आंदोलन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पिछले करीब तीन वर्षों में गौशालाओं की ग्रांट बंद हो चुकी है। वहीं दूसरी ओर सरकार की ओर से घोषित की गई कोई भी योजना लागू नहीं हो पा रही है। इससे गौशालाओं की स्थिति दयनीय बनी हुई है। लोगों में गाय के प्रति आस्था खत्म होती जा रही है।

एक भी गोअभ्यारण्य नहीं बनवा सकी प्रदेश सरकार

कैथल. मैक टूरिज्म में प्रेस को संबोधित करते गोभक्त गोपाल दास व अन्य।

भास्कर न्यूज | कैथल

गोरक्षा के लिए आंदोलन चलाने वाले संत गोपालदास ने भाजपा की प्रदेश व केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि भूख-प्यास से तड़प रहे 3 लाख बेसहारा गोवंश की भाजपा राज में भी सुध नहीं है। हितैषी बनने का ढिंढोरा पीट रही मनोहर सरकार की घोषणाएं आज तक जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। प्रदेश की रजिस्टर्ड 270 गोशालाओं को 40 पैसे प्रतिदिन प्रति गाय चारे के मद में देने की घोषणा सबसे बड़ा मजाक है। मात्र 150 रुपए में एक वर्ष तक एक गऊ को कैसे पाला जा सकता है।

वे मंगलवार को अशोका चौक स्थित एक रेस्टोरेंट में प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अपने चुनावी एजेंडे में गोवंश के संरक्षण व संवर्धन के स्थाई समाधान का आश्वासन देने वाली भारतीय जनता पार्टी इस मुद्दे से ही भटक गई है। अभी तक उनका एक भी गो अभ्यारण्य बनकर तैयार नहीं हुआ। प्रेसवार्ता में संत गोपाल दास के साथ हरियाणा राज्य गोशाला संघ सोनीपत के अध्यक्ष जितेंद्र मलिक, स्वामी धर्मदेव, शम्शेर मलिक व मनवीर उपस्थित रहे।

सरकार से ये मांगें पूरी करने की मांग

- सरकार गोवंश के संरक्षण व संवर्धन का केंद्रीय कानून बनाकर उसे लोकसभा में पेश करे।
- गोवंश सेवा, गोरक्षकों की गाड़ियों का टोल टैक्स माफ किया जाए।
- गोशालाओं को बिजली, पानी व टेलीफोन बिल की वसूली न हो।
- बेसहारा गोवंश के चारे-पानी व आवास का तत्काल इंतजाम हो।

गोचरान भूमि को खाली नहीं कराया तो लूंगा भू-समाधि : गोपालदास

ढाई लाख लावारिस गाय घूम रहीं सड़कों पर और साढ़े 4 लाख एकड़ भूमि गोचरान के लिए खाली, बेकद्री पर सरकार को कोसा

[illegible]

बोले : गोशाला का बजट पर्याप्त नहीं, इतना तो सीएम ही कर लेते हैं खर्च

152 दिन तक की थी भूख हड़ताल, मिला आश्वासन

संत भी नहीं आ रहे आगे

[illegible]

गायों के लिए कैटल फूड सिक्योरिटी बिल लाए सरकार : गोपालदास

[illegible]

[illegible]

गोशालाओं की ग्रांट शुरू करने की मांग

जासं, रेवाड़ी: आर्य समाज मंदिर रेवाड़ी में जिला भर के गो सेवकों एवं आर्य समाज के लोगों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रदेशव्यापी गोरक्षा आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में हरियाणा राज्य गोशाला संघ के संरक्षक और भारतीय संस्कृति रक्षा दल के अध्यक्ष स्वामी ब्रह्मानंद वैदिक ने कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी बूचड़खाने बंद कर रहे हैं, जबकि हरियाणा में सरकार द्वारा बार-बार घोषणाओं के बावजूद गाय के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है। गो सेवा आयोग गाय के संरक्षण व संवर्धन में कोई कार्य नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कहा कि गो सेवा आयोग का पुनर्गठन किया जाए और एक्ट के अनुसार गाय में आस्था रखने वाले लोगों को गो सेवा आयोग का सदस्य बनाया जाए। उन्होंने कहा कि गोशालाओं से चंदा इकट्ठा कर गबन करने वालों, धोखाधड़ी व फर्जीवाड़ा करने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि गत दो-तीन वर्षों में गोशालाओं की ग्रांट बंद हो चुकी है तथा सरकार की ओर से घोषित की गई कोई भी योजना लागू नहीं हो पा रही है जिससे गोशालाओं की स्थिति दयनीय बनी हुई है। उन्होंने गो-तस्करी रोकने की मांग की है।

गो सेवा आयोग लूट का केन्द्र बना

यूपी सरकार बूचड़खाने बंद कर रही है, जबकि प्रदेश गोशालाए बंद करने पर तुली

- गाय का राजनीतिकरण बंद हो : स्वामी ब्रह्मानंद
- गोशालाओं की ग्रांट बंद करने से गायों की स्थिति दयनीय
- प्रदेश भर में गोचर भूमि खाली कराकर गोशालाओं को दी जाए
- हरियाणा राज्य गोशाला संघ करेगा प्रदेशव्यापी आंदोलन

[illegible]

योगी सरकार बूचड़खाने बंद कर रही है वहीं हरियाणा सरकार गौशालाएं बंद करने पर तुली

गाय का राजनीतिकरण बंद हो : स्वामी ब्रह्मानंद, हरियाणा राज्य गौशाला संघ करेगा प्रदेशव्यापी आंदोलन

[illegible]

[illegible]

हरयाणा राज्य गौशाला संघ द्वारा प्रदेश भर में किए गए प्रदर्शनों के बाद आखिरकार गौ सेवा आयोग की नींद खुल गई और गौशालाओं को अनुदान देने का रास्ता साफ हो गया है। जिसके अनुसार जिला कैथल की 13 गौशालाओं को लगभग 2077000 रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। इसी प्रकार जिला रोहतक की 6 गौशालाओं को 26 लाख 7150 रूपय, जिला झज्जर की नौ गौशालाओं को 1776000 रुपये, पानीपत की 15 गोशालाओं को 1500000 रुपए, सोनीपत की 13 गौशालाओं को 2432000 रूपये, करनाल की 12 गोशालाओं को 1400000 तथा कुरुक्षेत्र की 10 गोशालाओं को लगभग 584000 रुपए का अनुदान दिया जाएगा। इसी प्रकार प्रदेशभर की पंजीकृत गौशालाओं को अनुदान प्राप्त होगा।

गौरतलब है कि हरयाणा राज्य गौशाला संघ द्वारा गौ सेवा आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए तथा प्रदेश सरकार की गौ संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति ढुलमुल नीतियों पर रोष जताते हुए कई जिलों में प्रदर्शन किए गए थे तथा गोचर भूमि खाली करवाकर गौशालाओं को देने गौशालाओं की ग्रांट जारी करने तथा गौ सेवा आयोग का पुनर्गठन करने धोखाधड़ी व फर्जीवाड़ा करने वाले सदस्यों को गौ सेवा आयोग से हटाने आदी सहित कई मांगों को लेकर प्रदेशव्यापी आंदोलन छेड़ने की घोषणा की गई थी।

जिसके बाद गौ सेवा आयोग की नींद खुली है तथा कुछ गौशालाओं को ग्रांट जारी करने का आदेश दिया गया है। गौशाला संघ की मांग है कि प्रदेश की प्रत्येक गौशाला को अनुदान दिया जाए ताकि गोवंश सड़कों पर ना घूमें।

आर.एन.आई. रजि. नं.
HARHIN10992/07/05/2016TC
डाक पंजीकरण संख्या :
Post : Hisar/76/2015-17

श्री .....
स्थान .....
डा. .....
जिला .....

प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक शमशेर आर्य द्वारा सूचना प्रिंटर, 33-एस, मॉडल टाऊन, हिसार से मुद्रित एवं कार्यालय गोहितकारी, आर्य समाज मन्दिर, नागोरी गेट, हिसार से प्रकाशित।
पोस्ट करने की तारिख 30 पोस्ट करने का स्थान : मुख्य डाकघर, हिसार